पाठ्य सहगामी क्रियाकलाप
(Co-Curricular Activities)

1. छात्रसंघ–सत्र 2016–17 से राजकीय महाविद्यालय के विश्वविद्यालय से सम्बद्ध होने पर उनमें छात्रसंघ चुनाव लिंगदोह समिति की संस्तुति के आधार पर माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा दिये गये आदेश संख्या–S.L.P.(Civil) No.24295/2004/दिनांक 24/06/2004 जो अपर महाअधिवक्ता भारत सरकार के पत्र संख्या 4240 दिनांक–23/10/2006 द्वारा अधिसूचित एवम् उच्च शिक्षा सचिव उत्तराखण्ड शासन द्वारा निर्गत आदेश सं0 184/XXIV/2007–3(168)/2001, दिनांक 27/02/2007 से प्रेषित व्यवस्थाओं को विश्वविद्यालय पर लागू करने के सम्बन्ध में प्रवेश समिति द्वारा नियमों के आधार पर छात्रसंघ के चुनाव सम्पन्न होंगे।

2. राष्ट्रीय सेवा योजना–''मैं नहीं परन्तु आप'' की भावना पर आधारित रा0से0यो0 के अन्तर्गत सेवा सम्बन्धी काई गतिविधियां संचालित होती हैं जैसे–शिक्षा एवं मनोरंजन, आपदाओं (तूफान, बाढ़, भूकम्प, सूखा इत्यादि) के लिये कार्यक्रम, पर्यावरण को समृद्ध बनाना तथा उसकी सुरक्षा करना, स्वास्थ्य, परिवार कल्याण और पोषण कार्यक्रम, स्थानीय आवश्यकताओं और प्राथमिकताओं के आधार पर कार्यक्रम तथा भारत सरकार द्वारा निर्देशित कार्यक्रम वर्तमान में महाविद्यालय में रा0से0यो0 की तीन इकाई कार्यरत हैं, जिसके तहत 300 विद्यार्थी पंजीकृत होते हैं। इस योजना के अंतर्गत लगातार दो शिक्षण सत्रों में 240 घंटे नियमित कार्य करनार होता है। नियमित कार्यक्रमों के अतिरिक्त विशेष शिविर ('ए' प्रमाण–पत्र) एवं एक दिवसीय शिविर भी आयोजित किये जाते हैं। सत्र 2004–05 से वि0वि0 द्वारा रा0से0यो0 'बी' व 'सी' प्रमाण–पत्रों की परीक्षायें भी आयोजित की जाती हैं जिन्हें उत्तीर्ण करने पर विभिन्न विभागों में रोजगार पर विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु वरीयता/अधिमान प्रदान किया जाता है।

इस योजना के अंतर्गत छात्र/छात्राएं केवल दो शिक्षण सत्रों में पंजीकरण करा सकते हैं। स्नातक द्वितीय वर्ष में पंजीकरण पूर्ण होने के बाद ही रिक्त स्थानों पर स्नातक प्रथम वर्ष से पंजीकरण किया जायेगा। एन0सी0सी0 में पंजीकृत छात्र/छात्राएं राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवी बनने हेतु अर्ह नहीं हैं। सम्प्रति महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की 03 इकाईयां कार्यरत हैं।

3. एन0सी0सी0–महाविद्यालय में एन0सी0सी0 की सीनियर डिवीजन इकाई कार्यरत है जिसमें देश सेवा एवं सुरक्षा का प्रशिक्षण नियमानुसार भारतीय सेना के प्रशिक्षकों द्वारा किया जाता है। इसके अन्तर्गत इच्छुक छात्र–छात्राओं को अर्द्धसैनिक प्रशिक्षण दिया जाता है।

4. विभागीय परिषदें–महाविद्यालय के समस्त विभाग अपनी–अपनी विभागीय परिषदों का गठन करते हैं। विभागीय परिषदों में छात्र/छात्राएं विभागीय शैक्षणिक सह–शैक्षणिक गतिविधियों में सहभागिता के साथ–साथ भ्रमण आदि में प्रतिभाग करते हैं। अन्तर्विभागीय प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाती हैं। विजेता प्रतिभागियों को पारितोषिक दिया जाता है।

5. सांस्कृतिक परिषद्– महाविद्यालय में छात्र/छात्राओं में सन्निहित साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं ललित कलाओं सम्बन्धी प्रतिभाओं को प्रोत्साहित एवं संवर्द्धित किया जाता है। प्रतिभावान छात्र/छात्राओं को महाविद्यालय/विश्वविद्यालय अथवा अन्य उच्च स्तरों पर सम्पन्न होने वाले सांस्कृतिक–साहित्यिक आयोजनों में प्रतिभाग सुनिश्चित कराने हेतु सांस्कृतिक परिषद का गठन किया जाता है।

6. क्रीड़ा एवं खेलकूद–'स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ्य मस्तिष्क का निवास होता है' महाविद्यालय के छात्र/छात्राओं के मानसिक उन्नयन के साथ–साथ शारीरिक विकास पर भी ध्यान दिया जाता है जिसके लिए पूरे सत्र के दौरान क्रीड़ा सम्बन्धी विभिन्न गतिविधियां संचालित की जाती हैं। योग्य छात्र/छात्राओं का चयन कर विभिन्न अन्तर्ममहाविद्यालयी प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग कराया जाता है।

स्थानान्तरण/चरित्र प्रमाण पत्र

1. **अस्थायी/स्थाई चरित्र प्रमाण–पत्र–** अध्ययनरत संस्थागत छात्रों को **अस्थायी चरित्र प्रमाण–पत्र** हेतु आवेदन करने पर मुख्य शास्ता की संस्तुति के पश्चात् दिया जाता है। **स्थायी चरित्र प्रमाण–पत्र स्थानान्तरण प्रमाण–पत्र के साथ निर्गत किया जाता है, इसकी मूल प्रति को सुरक्षित रखकर फोटो प्रतियां ही आवेदन–पत्रों पर संलग्न की जाती हैं।**

शुल्क रसीद- छात्र/छात्रा को प्रवेश के पश्चात् पूर्ण सत्र तक अपनी शुल्क की रसीद को सुरक्षित रखना चाहिए। परिचय पत्र प्राप्त करते समय एवं परीक्षा आवेदन पत्र भरते समय शुल्क रसीद की आवश्यकता होती है।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय अध्ययन केन्द्रः- (कोड सं० 17030)

इस महाविद्यालय में सन् 2010–11 से उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय (यू.ओ.यू) का अध्ययन केन्द्र भी चल रहा है। इस केन्द्र पर चलने वाले पाठ्यक्रम निम्नवत है।

(1) स्नातक पूर्व पाठ्यक्रम/प्रारम्भिक पाठ्यक्रम (बी0 पी0 पी0)
(2) कला स्नातक (बी0ए0)
(3) विज्ञान स्नातक (बी0एस–सी0)
(4) वाणिज्य स्नातक (बी0कॉम0)
(5) कला स्नातकोत्तर (एम0ए0)– हिन्दी, अंग्रेजी, भूगोल, संस्कृत, इतिहास, अर्थशास्त्र, राजनीति शास्त्र, शिक्षाशास्त्र
(6) एम0ए0 लोक प्रशासन
(7) पर्यटन अध्ययन में प्रमाण पत्र (सी0 टी0 एस0)
(8) पर्यटन अध्ययन में डिप्लोमा (डी0 टी0 एस0)
(9) पर्यटन अध्ययन में स्नातक (बी0 टी0 एस0)
(10) भोजन एवं पोषण में प्रमाण पत्र (सी0 एफ0 एन0)
(11) पर्यावरण अध्ययन में प्रमाण पत्र (सी0 ई0 एफ0)
(12) ग्राम्य विकास में प्रमाण–पत्र (डी0 आर0 एस0)
(13) आपदा प्रबन्धन (सी.डी.एम.)
(14) मानवाधिकार में प्रमाण–पत्र (सी.एच.आर.)
(15) विज्ञान स्नातकोत्तर (एम.एससी.)–गणित, भौतिक विज्ञान, जन्तु विज्ञान, रसायन विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, गणित
(16) पी.जी.डिप्लोमा इन योग
(17) एम0ए0 योगा

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश हेतु समन्वयक उ0मु0वि0वि0 अध्ययन केन्द्र, रा0 स्ना0 म0वि0 कर्णप्रयाग दूरभाष 01363–244129 से सम्पर्क कर सकते हैं। उ0मु0वि0वि0 में माह जून–जुलाई एवं दिसम्बर–जनवरी में प्रवेश होते हैं। अधिक जानकारी के लिएउत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की बैबसाइटwww.uou.ac.in पर देख सकते हैं।

राष्ट्रीय स्वच्छता अभियान

''राष्ट्रीय स्वच्छता अभियान'' के अन्तर्गत महाविद्यालय परिसर में स्वच्छता बनाये रखने हेतु सप्ताह में एक दिन कक्षावार प्रत्येक छात्र/छात्रा, प्राध्यापक एवं कर्मचारी स्वच्छता अभियान में प्रतिभाग करेंगे। परिणामस्वरूप, महाविद्यालय परिसर स्वच्छ बना रहेगा और इनके आस–पास के क्षेत्र भी साफ–सुथरे रहेंगे। इसके अतिरिक्त सभी की यह जिम्मेदारी भी होगी कि कूड़ा करकट केवल महाविद्यालय में रखे प्लास्टिक के कूड़ेदान में ही डालें अन्यत्र नहीं फेंके तथा तम्बाकू, गुटका, खैनी तथा इनसे संबंधित अन्य वस्तुओं का सेवन न करें, ताकि महाविद्यालय का पर्यावरण प्रदषित होने से बच सके। यदि कोई व्यक्ति परिसर या इसके आस–पास गंदगी एवं प्रदूषण फैलाते हुए पाये जाते हैं तो उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

नमामि गंगे परियोजना के अन्तर्गत नदी–नालों एवं आस–पास के परिवेश को स्वच्छ रखा जाना है। इसमें शिक्षक/कर्मचारी/विद्यार्थी की सक्रिय भूमिका सामान्यतः तथा एन0एस0एस0, एन0सी0सी0 के स्वयं सेवकों की सक्रिय भूमिका विशेष रूप में निर्धारित की गई है।

प्राचार्य
डॉ0शि0न0नौ0 राजकीय स्नातकोत्तर
महाविद्यालय कर्णप्रयाग (चमोली)